0६ - 2009

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

मु.उ.पु. 24 पृष्ठ

कार्यालयीन उपयोग के लिए

परीक्षा के नाम की सील: हायर सेकेण्डरी परीक्षा

केन्द्र क्रमांक की सील: केन्द्रक्रमांक 162005

निम्न रिक्तियों की सही प्रविष्टि परीक्षार्थी द्वारा की जाए।

1. विषय कोड 0 5 3 परीक्षा का विषय संस्कृत
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी परीक्षा की दिनांक
3. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र का पूर्ण कोड नम्बर (सेट A, B, C, या D) अनिवार्यतः भरें — कोड: U-2008 सेट:

परीक्षार्थी का अनुक्रमांक (अंग्रेजी अंकों में)

2	9	1	6	1	9	2	5	5

नीचे दिये प्रत्येक कालम में ऊपर दिये गये अनुक्रमांक के अंकों कं. उसी क्रम में शब्दों में लिखा जाए :-

दो	नौ	एक	छः	एक	नौ	दो	पांच	पांच

पर्यवेक्षक / केन्द्राध्यक्ष का प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि परीक्षार्थी द्वारा निम्नानुसार पूरक उत्तरपुस्तिका ली गई है :-

क :- संख्या शब्दों में X अंकों में X

ख :- परीक्षार्थी की बैठक व्यवस्था कक्ष क्रमांक गैलरी में है।

ग :- उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का कोड नम्बर एवं सेट सही लिखा है।

हस्ताक्षर (पर्यवेक्षक)

नाम प्रयागीलाल शर्मा पद प्र. अ.

पता / संस्था H.S. गिरवर

परीक्षार्थी द्वारा ली गई सभी पूरक उत्तर पुस्तिकायें, मुख्य उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न हैं। X

हस्ताक्षर केन्द्राध्यक्ष

BSEMP

परीक्षार्थी, परीक्षक से अपेक्षा है कि वे पृष्ठ भाग पर दिये गये निर्देशों का यथेष्ट पालन सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्तानुसार संलग्न पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या मूल्यांकन के समय सही पाई गई हैं। होलोक्राफ्ट स्टीकर चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन किया गया है। मैंने सभी प्रश्नों के उत्तरों का गहन मूल्यांकन किया है। उत्तर पुस्तिका के अन्दर के अंक एवं कव्हर पृष्ठ पर दर्शाये अंक एक समान है एवं योग पूर्णतः सही है।

हस्ताक्षर (परीक्षक)

परीक्षक क्रमांक

हस्ताक्षर (उपमुख्य परीक्षक)

दिनांक 3-3-09

हस्ताक्षर (मुख्य परीक्षक)

दिनांक

परीक्षार्थी के लिए निर्देश

1. परीक्षार्थी को अपना अनुक्रमांक/विषय/माध्यम/दिनांक एवं प्रश्न–पत्र का कोड (समूह) मुख पृष्ठ पर अंकित करना अनिवार्य है। अन्यत्र कहीं भी नहीं लिखा जाएगा।
2. अनुक्रमांक नीचे दिये गए उदाहरण अनुसार लिखा जाए :–

1	8	2	4	3	9	5	6	8
एक	आठ	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

3. उत्तर पुस्तिका के दोनों ओर पृष्ठों में लिखें। बीच में रिक्त स्थान न छोड़ें। भूल से छूटा/रिक्त स्थान तथा शेष खाली पृष्ठों को क्रास किया जाए।
4. परीक्षार्थी प्रश्न पत्र हल करते समय ही, कव्हर पृष्ठ पर दी गई तालिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख वाले कालम में उत्तरपुस्तिका का वह पृष्ठ क्रमांक अनिवार्य रूप से अंकित करें जिस पर प्रश्न का उत्तर लिखा गया है। यदि पूरक उत्तरपुस्तिका का उपयोग किया गया हो, तो उस पर 25 से प्रारंभ करते हुए पृष्ठ क्रमांक परीक्षार्थी द्वारा स्वयं डाले जाएँ।

परीक्षक के लिए निर्देश

1. केवल उन्हीं उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करें जिन पर होलो क्राफ्ट स्टीकर चस्पा है।
2. उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया जाये।
3. बिना होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली तथा फटे हुए होलो क्राफ्ट स्टीकर वाली सभी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन हेतु परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से भेजी जाये।

मूल्यांकन केन्द्र के लिए निर्देश

1. **O.M.R. SHEET** पर प्राप्तांक की प्रविष्टि करने हेतु केवल वही उत्तरपुस्तिकाएँ प्राप्त करें, जिनका मूल्यांकन होलो क्राफ्ट स्टीकर को चस्पा स्थिति में यथावत् रखते हुए ही किया गया है। यदि होलो क्राफ्ट स्टीकर फटा हुआ पाया जाता है तो ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी को पृथक से सौपी जाएँ। ऐसे प्रकरणों के प्राप्तांकों की प्रविष्टि **O.M.R. SHEET** में नहीं की जाए। मूल्यांकन केन्द्र अधिकारी ऐसी उत्तरपुस्तिकाऐं पुनः मूल्यांकन के लिये परीक्षा नियंत्रक, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल को व्यक्तिशः रूप से सौपेंगे।
2. उत्तरपुस्तिका के मुख्य पृष्ठ में अंकों एवं शब्दों में अंकित प्राप्तांकों को मिलान कर **O.M.R. SHEET** में अंकों की सटीक प्रविष्टि करें।
3. **O.M.R. SHEET** पर प्रमाणीकरण कर हस्ताक्षर करें।

यो

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्रमांक - 1

(क) का सही है (iii) चित् + आनन्द: ।

(ख) का सही है (iii) विसर्ग सन्धि ।

(ग) का सही है (ii) नायक: ।

(घ) का सही है (iii) षष्ठी तत्पुरुष: ।

(ङ) का सही है (iv) द्विगु: ।

(च) का सही है (i) मक्षिकाभाव: ।

(छ) का सही है (iii) हरिश्च हरयश्च ।

× ×

प्रश्न क्रमांक - 2

(क) का सही है (i) प्रति ।

(ख) का सही है (iii) सम् ।

(ग) का सही है (i) प्राय: ।

BSEMP

(ज) का सही है (iv) कुरु।

प्रश्न क्रमांक - 3

(क) का सही है (ii) लट् लकार।

(ख) का सही है (i) अन्य पुरुष।

(ग) का सही है (i) एकवचन।

प्रश्न क्रमांक - 4

(क) का सही है (ii) आदाय।

(ख) का सही है (ii) तरप्।

(ग) का सही है (iii) ङीप्।

(घ) का सही है (iii) सुप्।

B

S

पृष्ठ के अंकों का योग

5

प्रश्न क्रमांक - 5

(क) का सही है (i) गंगोत्री।

(ख) का सही है (ii) सज्जनः।

(ग) का सही है (i) तरु:।

(घ) 'हिरण्यं' नास्ति तत्सर्वं यद्यत्पीतं प्रकाशते।

(ङ) उलूखले शिरो दत्वा मूसलेभ्यो भयं कुतः।

× ×

प्रश्न क्रमांक - 6

(क) का सही है (ii) द्वितीया।

(ख) का सही है (iv) आत्मना ब्राह्मणेन आसन:।

(ग) का सही है (i) एकवचन।

× ×

यो

प्रश्न क्रमांक – 7

(अ) (ब)

(i) ओजोननाम्नी परतम् ~~वर~~ वयमेव विश्वस्य कृते महत्सङ्कटम्

(ii) वृक्षाः – (ग) पर्यावरणस्य मूलधायकाः सन्ति

(iii) गंगा यमुनाप्रभृतयः सरितो – (क) मातृवत्पूज्याः

(iv) धेनुप्रभृतयो हिंसा (ख) उरगादयश्च

× ×

प्रश्न क्रमांक – 8

(क) द्रुपदस्य ।

(ख) आः पापे ।

ग) द्वादश ।

घ) ~~आम्रवृक्षाः~~ रसालाः ।

× ×

B C M P

यो

प्रश्न क्रमांक – 9

(क) पाठानुसारेण भारतपाकिस्तान युद्धस्य पञ्चविंशति दिनाङ्कः आसीत् अस्ति।

(ख)

अजयस्य कोपः स्पन्दनायाः वचनं श्रुत्वा आगतः।

(ग) पुराकालानि पुष्पानि सुप्ते वने, रणे, शैलौ, जलौ, पर्वतस्य सुप्ते रक्षन्ति।

प्रश्न क्रमांक –10 (क)

(i)(क) अत्रान्तरे अजयस्य सहयोगिनः आगतवन्तः।

(ii) स्पन्दना मातुः सूचनानुसारे स्वयानपेटिका दिववस्तुभिः सह कारयाने उपविष्टवती।

(iii) कारयानं प्रस्थितं यावत् तत् दृष्टिगोचरम् आसीत् तावदपि हस्तं चालयन्ति। मार्गे एव स्थिता।

(iv) गृहं सर्वं शून्यमिव भासते स्म।

ESEMP

योग

प्रश्न क्रमांक – 10 (ख)

(i) भूतानि अन्नात् भवन्ति।

(ii) वृष्टेः अन्नोत्पत्तिः भवति।

(iii) कर्मणः यज्ञ उद्भवति।

(iv) ब्रह्म अक्षरात् उद्भवति।

× ×

प्रश्न क्रमांक – 11 (क)

(i) पराभवं मूढधियः व्रजन्ति।

(ii) शठास्तथाविधान प्रविश्य हि घ्नन्ति।

(iii) मायिनः मायाविषु ये न भवन्ति।

(iv) उपसर्ग + प्रकृतिः + प्रत्यय

प्र + विश् + ल्यप्

× ×

B S E M P

प्रश्न क्रमांक -11 का (ख)

(i) सत्पुरुष: स्वे सुखे प्रहर्षं न कुरुते।

(ii) नाऽन्यस्य दुःखे प्रहृष्ट: आर्यशील: भवति।

(iii) ये दत्वा पश्चात् अनुतापं न कुरुते ते आर्यशील:।

(iv) आर्यशील: न कथ्यते।

× ×

प्रश्न क्रमांक -12

(1) "मानं हित्वा प्रियो भवति, क्रोधं हित्वा न शोचति।
कामं हित्वाऽर्थवान् भवति, लोभं हित्वा सुखी भवेत्॥"

2) "न मान्य मानो मुदम् आददीत, न सन्तापं प्राप्नुयाच्चाऽवमानत्।
सन्त: सत: पूज्यन्ते लोका नाऽसाधव: साधु बुद्धिं लभन्ते॥"

पृष्ठ के अंकों का योग

× ×

BSEMP

प्रश्न क्रमांक -13

(क) यः प्रज्ञावान् वर्जयेत् स प्रधानः।

(ख) वहति मन्दमन्दं सनीरे समीरे।

(ग) न च विनायकः कश्चित्।

(घ) गंगा-यमुना प्रभृतयः सरितो मातृवत् पूज्याः।

× × ×

प्रश्न क्रमांक -14

(क) उपवनं परितः जनाः भ्रमन्ति।

(ख) माता बालकाय दुग्धं ददाति।

(ग) गणेशः शिवस्य पुत्रः।

(ज) राधा मन्दिरं गच्छति।

(ङ) शिक्षकः सुधाखण्डेन लिखति।

× × ×

B S E M P

प्रश्न क्रमांक - 15

(क) वेदव्यास:

महर्षि वेदव्यासेन वीरशांतरसयुक्तं महाभारतं इति ऐतिहासिकं काव्यं विरचितम्। एतस्य विकासक्रमानुसारेण 'जयम्' इति, 'भारतं' इति, 'महाभारतं' इति त्रीणी नामानी सन्ति। अस्मिन् काव्ये प्रायः लक्षश्लोकाः सन्ति। तेषां विद्यमानत्वात् शतशाहस्त्री नाम्ना एतत् काव्यमिदं प्रसिद्ध। काव्यमिदं अष्टादशः पर्वेषु विभक्तम्। अत्र कौरवपाण्डवानां पारस्परिक संङ्घर्षम् वर्णनम् प्रोक्तम्। अपि च धर्मऽर्थकाममोक्षादयाः पुरूषार्थः पुराणः इतिहास - धर्मशास्त्र - अर्थशास्त्र - राजनीतिशास्त्र - ज्ञान - विज्ञान कलाशिल्पाद्यः अनेका विषया समविष्टाः।

× ×

प्रश्न क्रमांक - 16

'रामायणम्' (ग)

महर्षि वाल्मीकि रामायणं काव्यं आदिकाव्यं लोकविश्रुतम्। रामायणे काव्ये वाल्मीकि ब्रह्मणः प्रीणयते रामचरितं विरचितम्। रामायणी कथा सप्तकाण्डेषु चतुर्विंशति सहस्त्रश्लोका उपलभ्यते। अत्र मर्यादापुरूषोत्मस्य रामस्य आदर्शपुरूषस्य मातृ - पितृ - ~~देव~~ विप्रदेवतिथि प्रजा - पुत्र - भातृ - प्रेम व्यवहारामुचितं वर्णनमस्ति। रामायणस्य रचना कालः प्रायः ई.600 वर्षतः पूर्णमति विदुषां मतम्।

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक - 17

एकदा राजकुमारः सिद्धार्थः विहारर्थम् उपवनं गतः। सहसा क्रन्दनध्वनिं श्रुत्वा स इतस्ततः अपश्यत्। बाणेन विद्धः एकः हंसः भूमौ पतितः आसीत्। एतत् दृष्ट्वा सिद्धार्थस्य चित्तं करूणया व्याकुलं जातम्। सः धावित्वा हंसस्य शरीरात् बाणं निष्कास्य तम् अङ्के अधारयत्। अत्रान्तरे धावन् देवदत्तः तत्र प्राप्तः। सिद्धार्थस्य हस्ते निपातितः दृष्टवा सः उच्चैः अवदत् - सिद्धार्थ! एव हंसः मया बाणेन भ्रम। अतः मह्यम् देहि।

x x

प्रश्न क्रमांक - 18

(i) संसारे जनाः सुखम् इच्छन्ति।

(ii) सुखं च धनेन एव प्राप्तुं शक्यते।

(iii) चौर्येण कपटेन, च धनं विनाशकरं भवति।

(iv) सुखं च धनेन एव प्राप्तुं शक्यते। अतः धनोपार्जनस्य आवश्यकता भवति।

x x

पृष्ठ के अंकों का योग

प्रश्न क्रमांक – 17

'स्थानान्तरण प्रमाणपत्रं'

सेवायाम्,

श्रीमन्तः प्राचार्यमहोदयः,

शा॰ नि॰ उ॰ मविद्यालय

पोहरीनगरम्

विषय :— स्थानान्तरण प्रमाण पत्रं ।

मान्यवरः,

सादरं निवेदयामि यत् मम पितुः स्थानान्तरणं ग्वालियर नगरे सम्जातम् । सकलः परिवारः अग्रिमे रविवासरे ग्वालियरनगरम् गमिष्यति । मया अपि एव अध्ययनं करणीयं भविष्यति ।

अतः मम विद्यालयस्थानान्तरण प्रमाण पत्रं दत्वा भवन्तः मयि अनुग्रहं कुर्वन्तु इति प्रार्थये ।

सधन्यवाद !

दिनांक 20/03/09

भवताम् आज्ञाकारी शिष्य

अ, ब, स,

B S E M P

पृष्ठ के अंक.

प्रश्न क्रमांक – 20

'ग्राम्य जीवनम्'

प्रस्तावना :– भारत: ग्रामाणां देश: अस्ति। अत्र 80% जनसंख्या: ग्रामेषु वसन्ति। ग्रामेषु कृषका श्रमिकाश्च सन्ति। ग्रामाणां भाग्यवादिना अन्धविश्वा- रिश्चा। कृषका प्रात: काले उत्थाय पशुभ्य: आहारम् प्रयच्छन्ति। ते स्व क्षेत्रे गच्छन्ति तथा च कठोर परिश्राम कुर्वन्तु।

ग्राम्य स्थिति: :– ग्रामेषु कृषका निम्नजीवनस्य सन्ति। ग्रामेषु बहव: पशव: सन्ति। गौमयं इन्धनरूपेण उपयुज्यते।

ग्राम्य सौन्दर्य: :– ~~ग्रामेषु समीपे~~ ग्रामेषु प्राकृतिक सौन्दर्य अस्ति। ग्रामेषु बहव: वृक्षा: सन्ति। ते वातावरण स्वच्छम् कुर्वन्ति। वृक्षा: वायुं शुद्धम् कुर्वन्ति।

उपसंहार :– ~~ग्रामेषु~~ ग्रामेषु बहव: कृषका सन्ति। ग्रामेषु शुद्ध वायुं वहन्ति।

यथोक्तम् –

'अहो रम्यं ग्राम्य जीवं'

अस्माकं ग्रामेषु – शुजलां सुफलां मलयज।

— x —

15

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 15 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 16 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 17 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

(18)

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 18 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 19 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

20

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 20 के अंक = कुल अंक

B
S
E
M
P

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 21 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 22 के अंक = कुल अंक

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 23 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

BSEMP

पृष्ठ के अंकों का योग

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 24 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

42/100

B S E M P

पृष्ठ के अंकों का योग